25 अगस्त, 2022

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त द्वारा आयोजित रात्रिभोज के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

उपस्थित विशिष्टजनों तथा देवियो और सज्जनो:

- मैं कनाडा में भारत के उच्चायुक्त श्री अजय बिसारिया जी और उनकी पूरी टीम का धन्यवाद करता हूं और यहां उपस्थित मेरे सभी भारतीय भाइयों और बहनों का हृदय से अभिनंदन करता हूं। आपने जिस उमंग और उत्साह से मेरा स्वागत-सम्मान किया है और अपना प्यार प्रकट किया है, उसके लिए मैं आप सबका आभारी हूं।

- कनाडा में भारत की पहचान आप सब मेरे देशवासियों ने ही बनाई है। अपने परिश्रम और पुरुषार्थ के बदौलत मिलजुल कर सबको साथ लेकर चलने की अपनी परंपरा को आपने भली-भांति यहां पर जी कर दिखाया है। भारत के साथ-साथ कनाडा का हर नागरिक आपके प्रति गौरव का अनुभव करता है, आदर-सत्कार के साथ आपका नाम लेता है।

- जब हम दुनिया के किसी भी देश में भारतवासियों की प्रशंसा और पराक्रम की गाथा सुनते हैं, तो हमें गर्व होता है। कनाडा में बसने वाले हमारे भारतीयों ने अपने सफल कारोबार के माध्यम से और अपने सफल प्रयासों से भारत की आन, बान, शान को बढ़ाने में बहुत बड़ी भूमिका अदा की है।

- मित्रो, आप दोनों देशों के बीच रचनात्मक संवाद और सशक्त द्विपक्षीय मेलजोल के वाहक हैं। कनाडा के व्यापक आर्थिक सामाजिक विकास के लिए किए गए आपके सक्रिय योगदान ने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की आधारशिला रखी है।

- वर्ष 2015 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की यात्रा के बाद भारत कनाडा संबंधों को नया आयाम मिला है।आज हमारे बीच रणनीतिक साझेदारी है। कनाडा के प्रधानमंत्री, श्री जस्टिन ट्रूडो की वर्ष 2018 में भारत यात्रा ने भी दोनों देशों के आपसी संबंधों को गति दी है।

- मित्रों, कनाडा की तरह भारत ने भी अपनी सामाजिक आर्थिक प्रगति के लिए लोकतंत्र को आधार बनाया है। हमारा लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र है। संसदीय संस्थाओं ने लोकतंत्र में जनता की आस्था को और मजबूत किया है।

- संसदीय संस्थाएं हमारे लोकतंत्र का आधार हैं। दोनों देशों की संसदों और सांसदों के बीच संवाद से हमें एक दूसरे के सरोकारों, आकांक्षाओं तथा विभिन्न प्रकार के चुनौतियों को समझने का अवसर मिलता है। जिसके परिणामस्वरूप वह दोनों देशों की श्रेष्ठ पद्धतियों और अनुभवों को साझा करके एक दूसरे को लाभ पहुंचा सकते हैं।

- मुझे कनाडा की अपनी पिछली यात्रा का स्मरण है जब मैंने राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन (CSPOC) में भाग लेने हेतु जनवरी, 2020 में ओटावा की यात्रा की थी। उसके बाद कनाडियन सीनेट के स्पीकर, महामहिम श्री जॉर्ज जे. फ्यूरे ने मेरे निमंत्रण पर फरवरी, 2020 में भारत का दौरा किया था।

- मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि हाउस ऑफ कॉमन्स से श्री राज सैनी, संसद सदस्य को कनाडा-भारत संसदीय संघ का अध्यक्ष चुना गया है। हमें प्रसन्नता है कि वर्तमान में हाउस ऑफ

कॉमन्स के कुल 338 सदस्यों में से 22 सदस्य भारतीय मूल के हैं। यह कनाडा के लोकतंत्र की मजबूती को दिखाता है।

- वास्तव में भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंधों को यहाँ निवास कर रहे भारतीयों से शक्ति मिलती है। भारतीयों ने अपने कार्यों, अपनी नयी सोच, नए विचारों, नवाचारों के द्वारा कनाडा की अपनी इस कर्मभूमि में अपनी नयी पहचान बनायी है तथा कनाडा के सामाजिक, आर्थिक विकास में अत्यधिक योगदान दिया है। यही कारण है कि आज इस देश में भी भारतीयों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की जा रही है।

- आपके कार्यों से आज आपकी कर्मभूमि ही नहीं बल्कि आपकी जन्मभूमि को भी गर्व है। हमारे भारतीय नागरिक यहाँ की राजनीति और अर्थनीति में सक्रिय साझेदार हैं। वे अपने देश और उस देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

- मित्रों, आज भारत को पूरे विश्व के अंदर सकारात्मक बदलाव के प्रतीक स्वरूप देखा जा रहा है। आजादी के अमृतकाल का युग भारत के अंदर सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का युग है, नवनिर्माण का युग है।

- हमारे नागरिकों की शक्ति, ऊर्जा एवं सामर्थ्य के बल पर तथा हमारे दूरदर्शी एवं सबल नेतृत्व के कारण, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज एक आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। हमारा लक्ष्य एक ऐसे भारत का निर्माण है जो सम्पूर्ण विश्व के लिए एक आदर्श हो।

- मित्रों, आज़ादी का अमृत महोत्सव पर्व विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए भी संकल्प का पर्व है। विश्व में हमारे देश के लोग जहां कहीं भी रह रहे हैं, वहाँ उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता से,

अपनी अभिनव सोच से, कड़ी मेहनत से, अद्भुत प्रतिभा से तथा अपनी कार्यशैली से अपनी तथा अपने देश की पहचान बनायी है।

- कनाडा के विकास में यहाँ के 16 लाख भारतीयों का भी परिश्रम है। और यह हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि यहाँ के नवनिर्माण में, विकास में भारतीयों के योगदान को भी सराहा जाता है।

- मित्रों, आप कनाडा में रहते हुए भी भारत में अपने परिवारों से तथा उनके माध्यम से देश से जुड़े हैं। आप जानते हैं कि आज भारत की सरकार द्वारा देश के अंदर सामाजिक आर्थिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए जा रहे हैं। भारत को विश्व का सबसे आकर्षक आर्थिक डेस्टिनेशन बनाने के लिए टैक्स नीति में बदलाव किए जा रहे हैं, देशमें FDI के नए रास्ते खोले जा रहे हैं, केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा नये initiatives लिए जा रहे हैं।

- भारत सरकार ने देश के लिए आत्मनिर्भरता का लक्ष्य निर्धारित किया है। परंतु आत्मनिर्भरता का अर्थ विश्व व्यापार से अलग होना नहीं बल्कि इसका एक अभिन्न हिस्सा बनना है। हम चाहते हैं कि हमारी क्षमता का लाभ पूरे विश्व को मिले। हम वैश्विक सप्लाइ चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनें। इसे साकार करने में आपकी सक्रिय भूमिका आवश्यक है।

- इसलिए भारत की समृद्धि और विकास में भी आपकी भूमिका है। और मुझे खुशी है कि आपके प्रयासों से विगत 6 वर्षों में कनाडा से भारत में आने वाले निवेश में 10 गुणा से भी अधिक की वृद्धि हुई है। यह आपके कारण ही संभव हो पाया है।

- शिक्षा हमारे देशों के बीच सहयोग का एक नया क्षेत्र है। मुझे बताया गया है कि 2 लाख 80 हजार से भी ज्यादा भारतीय विद्यार्थी कनाडा में उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

- इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार पुन: आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके और हमारे सामूहिक प्रयासों से भारत और कनाडा के संबंध भविष्य में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे।

धन्यवाद।